गुरु सरीखा देव म्हारे मन भावे भजन लिरिक्स

गुरु सरीखा देव,
म्हारे मन भावे,
सदा मन भावे।bd।

इला पिगला ओर सुखमणा ने ध्यावे,
सुखमणा ध्यावे,
त्रिवेणी रे बीच जीव ठहरावे,
गुरु सरीखा देंव,
म्हारे मन भावे,
सदा मन भावे।bd।

ऐड़े संतों री सहज म्हारे मन भावे,
अड़ा आनंद रे बीच,
जीव ठहरावे,
गुरु सरीखा देंव,
म्हारे मन भावे,
सदा मन भावे।bd।

देव दानव री बात गुरुजी बतावे,
तीन लोक रे माय,
देव औलखावे,
गुरु सरीखा देंव,
म्हारे मन भावे,
सदा मन भावे।bd।

सतगुरू शरणे जाय हरि गुण गावे,
सिमरथ शरणे जाय,
मानुस तन पावे,
गुरु सरीखा देंव,
म्हारे मन भावे,
सदा मन भावे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरु सरीखा देव,
म्हारे मन भावे,
सदा मन भावे।bd।

प्रेषक – बाल गायक चंद्र प्रकाश वैष्णव
9929734796

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com